नित्य समय

5 May, 2018

छांगु-नथुला पर्यटन में छांगु का रोप-वे पर्यटकों का आकर्षण का केन्द्र बन गया है

गान्तोक, ५ मई (हिस)। पूर्व सिक्किम के चर्चित पर्यटकीय गन्तव्य छांगु, नथुला और बाबा मन्दिर के बाद छांगु रोप-वे सेवा इन दिनों पर्यटकों का आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। पिछले वर्ष जुलाई महीने से आरम्भ किए गए छांगु रोप-वे (रज्जू मार्ग) में सवार होकर बर्फ से ढके हुए पर्वत शिखर का मनमोहक दृश्य करीब से अवलोकन कर लुफ्त उठाने वाले पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

कन्वेयर एंड रोप-वे सर्विस प्रालि द्वारा विकास किए गए इस रज्जू मार्ग के उप-महाप्रबंधक (व्यवसाय) इन्द्रनाथ घोष का कहना है कि 'इन दिनों दैनिक रूप में औसतन दो सौ पचास से लेकर तीन सौ पर्यटक इस रोप-वे का लुफ्त उठा रहे हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल पर्यटकों का बड़ी संख्या में आगमन हो रहा है। पर्यटकों को यहाँ आकर ऐसा जान पड़ेगा मानों वे स्विट्जरलैंड में हैं, उन्होंने कहा।

इस रोप-वे के सह-मालिक के.बी.गुरुङ ने कहा, लगभग आठ साल लगाकर निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद संचालन शुरू किया गया यह रोप-वे पर्यटकों को एक अलग ही किस्म का मनोरंजन प्रदान कर रहा है। भविष्य में यहाँ और भी कई सुविधाएं उपलब्ध कराकर पर्यटकों का मनोरंजन करने की योजना के बारे में उन्होंने जानकारी दी।

१४,५०० फिट की ऊँचाई पर अवस्थित इस रोप-वे का आखिरी स्टेशन इस समय पूरी तरह बर्फ से ढका हुआ है जहाँ से नथुला, दार्जिलिङ, भूटान और चर्चित डोकलाम का दृश्य अवलोकन किया जा सकता है। एशिया की ही पहली सर्वाधिक ऊँचाई पर निर्मित यह रोप-वे सिक्किम में निर्माण किया जाना स्वयं में एक कीर्तिमान है, के.बी.गुरुङ ने बताया।

छांगु के भ्रमण पर आए हुए नेपाल चलचित्र संघ के अध्यक्ष रामकिशोर बोगटी का कहना है कि इस रोप-वे की सवारी के बाद उन्हें लगा कि नेपाल में बर्फ से ढका हुआ इतना सुन्दर स्थल नहीं है जहाँ तक रोप-वे पर सवार होकर पहुँचा जा सकता हो। वैसे नेपाल के मनोकामना मन्दिर तक भी रोप-वे के जरिए पहुँचा जा सकता है लेकिन वहाँ भी बर्फ से ढके हुए इतने सुन्दर पर्वत शिखर को इतनी करीब से नहीं देखा जा सकता। यह एक अलग ही तरह का अनुभव है, उन्होंने बताया। उन्होंने आगे कहा कि यह उनका तीसरा सिक्किम भ्रमण है और उन्हें लगता है कि सभी को जीवन में एक बार सिक्किम भ्रमण पर आना चाहिए। अपने परिवार को साथ में लेकर पहली बार सिक्किम के भ्रमण पर आए हुए सिंगापोर में अभियन्ता के रूप में कार्यरत फ्रान्स के नागरिक निकोलस को सिक्किम अपनी अपेक्षा से भी कहीं अधिक सुन्दर

लगा। मैंने युरोप में कई बार रोप-वे की सवारी का अनुभव बटोरा है लेकि यहाँ आने के बाद मुझे जितनी खुशी हुई है उतनी खुशी पहले कहीं पर नहीं हुई थी, उन्होंने कहा।